दिनांक 3 मार्च 2019 से 7 मार्च 2019 तक आर.ए.सी.पी.योजनान्तर्गत जल ग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग के अधिकारियों का मैसूर कर्नाटक राज्य के शैक्षणिक भ्रमण का प्रतिवेदन।

1. **दिनांक 3 मार्च 2019 शैक्षणिक भ्रमण प्रस्थानः–**

जल ग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग के 20 अधिकारियों, जिसमें कनिष्ठ अभियन्ता से आयुक्त स्तर तक के अधिकारी (सूची संलग्न) आई.एम.टी.आई. के श्री अनिल शर्मा उप निदेशक के साथ जयपुर हवाई अड्डा से प्रातः 9 बजे प्रस्थान कर 11.30 बजे बेंगलोर पहुंचे, जहां पर एक दिन पूर्व अग्रिम व्यवस्थाओं के लिए संस्थान के श्री ओ. पी. वर्मा संयुक्त निदेशक एवं श्री सी. के. शर्मा उप निदेशक ए. सी. बस लेकर उपस्थित थे। बेंगलोर से सभी अधिकारियों सहित मेसूर के लिए प्रस्थान किया जहां पर सांयकाल में वृंदावन गार्डन का भ्रमण किया एवं रात्रि विश्राम किया।

2. **दिनांक 4 मार्च 2019 शैक्षणिक भ्रमण ऊॅटी :–** जल ग्रहण विकास एवं भू– संरक्षण विभाग के अधिकारियों के साथ प्रातः 10 बजे ऊॅटी के लिए प्रस्थान किया गया। जहां पहुंचकर क्षेत्र में भू–संरक्षण की गतिविधियों का अवलोकन किया गया, जिसमें मूल रूप से कन्टूर प्लॉटिंग तकनीकी जिसमें कि लाइन्स के बीच में ट्रेंच काटी जाती है, जहां पर चाय का पौधा लगाया जाता है, जिससे कि बारिश के दौरान कटी हुई मिट्टी बहकर नहीं जाती एवं कन्टूर ट्रेंचेज में समा जाती है। इसी प्रकार किसान टेरेस नुमा खेत बनाकर राइजर स्लोप पर घांस या चाय के पौधे लगाते हैं, जिससे मिट्टी के कटाव को कम किया जाता है। इसके अतिरिक्त समूह द्वारा क्षेत्र में मिट्टी के

कटाव की रोकथाम के लिए अपनाई गई पारम्परिक विधियों यथा सूखे पत्थर की चुनाई से निर्मित चेक डेम, वेजिटेटिव हैज, स्ट्रीप क्रोपिंग एवं वानिकी पोधारोपण का भ्रमण किया। सांयकाल में बॉटिनिकल गार्डन ऊॅटी का भ्रमण किया।

3. <u>दिनांक 5 मार्च 2019 शैक्षणिक भ्रमण मैसूर :–</u>

जल ग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग के अधिकारियों के साथ प्रातः 9 बजे ऊॅटी में जल संरक्षण हेतु बनाई गई झील का भ्रमण करते हुए सांय मैसूर पहुंचकर ओरगेनिकी फार्मिंग एवं रिसर्च इंस्टीट्यूट (OFRI) का भ्रमण किया गया, जहां संस्थान के श्री पी. प्रकाश वरिष्ठ फार्म अधीक्षक से मुलाकात कर इंस्टीट्यूट द्वारा की जा रही गतिविधियों की जानकारी ली गई। विशेषकर केंचुआ खाद बनाने के विभिन्न विधियों एवं वर्मी वाश के बारे में जानकारी दी गई।

4. दिनांक 6 मार्च 2019 शैक्षणिक भ्रमण मेसूर डी.ए.टी.सी. :–

जल ग्रहण विकास एवं भू–संरक्षण विभाग के अधिकारियों के साथ प्रातः 9 बजे जिला कृषि प्रशिक्षण केन्द्र मैसूर का भ्रमण किया गया, जहां पर पद्दतियों/तकनिकियों का केन्द्र के अधिकारियों के साथ आदान प्रदान किया गया। केन्द्र की के..एम. जयाकुमारी, सहायक निदेशक द्वारा केन्द्र द्वारा क्रियान्वित की जा रही विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई, जिसमें मुख्य रूप से यह बताया गया कि कर्नाटक राज्य में जल ग्रहण विकास विभाग एवं कृषि विभाग सम्मिलित होकर कार्य संपादन कर रहे हैं। केन्द्र की ही अनुराधा कृषि अधिकारी द्वारा पावर पाइन्ट प्रजेन्टेशन द्वारा मैसूर जिले में जल ग्रहण विकास विभाग से सम्बन्धित संचालित गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया। विभाग के आयुक्त श्री आर. के. शर्मा, अति. निदेशक श्री सीताराम बंजारा, संयुक्त निदेशक श्री जे. डी. मीणा, अधीक्षण अभियन्ता श्री दीपक श्रीवास्तव द्वारा सम्बन्धितों से कर्नाटक राज्य में जलग्रहण विकास के बारे में विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही दोनों राज्यों में संचालित वाटरशेड प्रोजेक्ट्स के बारे में चर्चा की गई। अनुराधा जी द्वारा वर्ड बैंक द्वारा वित्त पोषित सुजला–III प्रोजेक्ट के बारे में

विस्तार से बताया गया। जिसमें डाटा कलेक्शन, माइक्रो वाटर शेड वाइज एटलस, attribute Software पर विशेष काम किया गया है। आयुक्त जल ग्रहण विकास श्री आर. के. शर्मा द्वारा कहा गया कि सुजला–ाा प्रोजेक्ट में तैयार किये गये डाटा का विभिन्न सम्बन्धित विभागों द्वारा उपयोग कर निर्णय लिये जा सकते हैं।

5. दिनांक 7 मार्च 2019 शैक्षणिक भ्रमण बेंगलोरः–

जल ग्रण विकास एवं भू संरक्षण विभाग के अधिकारियों के साथ प्रातः 9 बजे बेंगलोर हेतु प्रस्थान किया गया, जहां पर बेंगलोर शहर में सिथत लाल बाग का भ्रमण किया गया। लाल बाग विभिन्न प्रजातियों के पौधों की जानकारी ली गई। लाल बाग में भ्रमणोपरान्त बेंगलोर हवाई अड्डा के लिए प्रस्थान किया जहां से रात्रि 9 बजे प्रस्थान रात्रि 11.30 बजे जयुपर पहूंचकर सभी अधिकारियों को धन्यवाद देते हुए शैक्षणिक भ्रमण का समापन किया गया।